मासिक समाचार पत्र

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

परिसर

अक्टूबर–नवंबर 2023

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने जल पूजन कार्यक्रम किया। इस दौरान छात्राओं ने जल संचय की प्रेरणा का गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर उच्च शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी, इले. क्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जल है तो कल है, जल है तो जीवन है।

सीसीएसयू को 2.24 करोड़ रुपये की ग्रांट 2

शोध के लिए उज्बेकिस्तान जाएंगे सीसीएसयू के छात्र 3

धूमधाम से आयोजित हुआ नवांकुर फिल्म फेस्टिवल 6

सीसीएसयू को 219वीं क्यूएस रैंकिंग

मेरठ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों को क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग–2024 मिलने पर पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पहली बार उत्तर प्रदेश के तीन राज्य विश्वविद्यालयों ने प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान हासिल किया है।

सीसीएसयू को 219वीं, लखनऊ विश्वविद्यालय को 238वीं और दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर को 258वीं रैंक मिली। उन्होंने कहा कि ये रैंकिंग समस्त दक्षिण एशिया के विश्वविद्यालयों की तुलना में हासिल हुई है, जो एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। तीनों विश्वविद्यालयों को नैक ग्रेडिंग में सर्वोच्च ग्रेड 'ए प्लस प्लस' प्राप्त है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सुधारने और नैक मूल्यांकन, एनआइआरएफ मूल्यांकन, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस एशिया रैंकिंग जैसे विविध मूल्यांकनों हेतु उच्चतम ग्रेड की तैयारी के साथ दावा प्रस्तुत करने को प्रोत्साहित किया।

दहेज मांगने वाले भिखारी, इनसे बचें बेटियां

- सीसीएसयू के 35वें दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदान किए मेडल
- कहा बेटियों के प्रति भेदभाव बंद करें, ऐसे ही रहा तो समाज से क्या रहेगी अपेक्षा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षा समारोह में बेटियों को स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दहेज मांगने वाले भिखारी होते हैं, ऐसे परिवार में बेटियों का विवाह न करें। उन्होंने नोएडा में स्कूटी की मांग पूरी न होने पर बहू को जलाने की घटना का जिक्र करते हुए बेटियों से आह्वान किया कि जो परिवार दहेज मांगे वहां विवाह करने से साफ मना कर दें। माता–पिता को बोलें कि जो परिवार अभी से भिखारी की तरह मांग कर रहा है, आगे चलकर और क्या–क्या मांग करेंगे।

राज्यपाल ने अभिभावकों से भी कहा कि वह बेटे और बेटियों में भेदभाव बंद करें। बेटियों को सरकारी स्कूल और बेटों को निजी स्कूलों में मोटी फीस देकर पढ़ाना गलत है। अगर माता–पिता ही ऐसा भेदभाव करेंगे तो समाज से क्या अपेक्षा कर सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में 36.58 प्रतिशत छात्रों की तुलना में 63.42 प्रतिशत छात्राओं को उपाधि मिली हैं। 201 विद्यार्थियों को मिले 259 स्वर्ण पदकों में छात्रों को 69 और छात्राओं को 190 पदक मिले हैं। यह आंकड़े दिखाते हैं कि बेटियां कितना आगे हैं। बेटे पिता के कारोबार को आगे बढ़ाने को ध्यान में रख पढ़ाई करते हैं, जबकि बेटियों को ससुराल जाना पड़ता है। इसलिए वह अधिक मेहनत से पढ़ाई करतीं हैं। जिस से भविष्य में कोई विपत्ति आए तो वह आत्मनिर्भर बन सकें।

राज्यपाल ने मेरठ को संस्कृति और सामर्थ्य का महत्वपूर्ण केंद्र बताया और कहा कि खेल विश्वविद्यालय बनने से यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे। रैपिड रेल और हवाई अड्डा बनने से मेरठ न केवल देश बल्कि विश्वभर से जुड़ सकेगा।

दीक्षांत समारोह के दौरान 128167 छात्र–छात्राओं को उपाधियां मिलीं। 259 स्वर्ण पदक दिए गए। इनमें से 73.36 यानी 190 पदक छात्राओं ने प्राप्त किए। 65 प्रायोजित स्वर्ण पदक भी वितरित हुए। इनमें से भी 20 प्रतिशत पदक छात्रओं को मिले। 116 छात्र–छात्राओं को पीएचडी की उपाधि भी दी गई।

दीक्षांत समारोह में छात्रा को उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान करतीं राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल। साथ में हैं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

समारोह में कुलाधिपति ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं को उपहार भी भेंट किए।

रेडियो सीसीएसयू का शुभारंभ

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अब विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के साथ ही शहर से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तक अपने मन की बात पहुंचाने को तैयार है। दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल परिसर में बने रेडियो स्टूडियो 'सुघोष' से रेडियो सीसीएसयू का आरंभ कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने किया। रेडियो सीसीएसयू 90.8 फ्रीक्वेंसी के जरिए श्रोताओं को मनोरंजन के साथ ही पठन–पाठन, शोध व नवाचारों पर चर्चा से जोड़ेगा।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार के अनुसार विद्यार्थियों को सरकारी और सीसीएसयू की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

शुरू हुआ ब्राडकास्ट : रेडियो सीसीएसयू के लिए कम्यूनिटी सेवाओं के साथ ही जानकारीपरक कार्यक्रम तैयार किए गए हैं, जिन्हें उद्घाटन के दिन से ही प्रसारित किया जा रहा है।

दीक्षात समारोह में एनसीसी कैडेटों से गार्ड ऑफ ऑनर लेतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

शिक्षा से सदगुणी होने पर भी जोर दें

मेरठ। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि आयुष मंत्रालय में सचिव पद्मश्री वैद्य डॉ. राजेश कोटेजा ने कहा कि भारत दुनियाभर में आयुर्वेद के बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। आयुर्वेद की समकालीन व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए आईआईटी जोधपुर में एआई आधारित प्रिसीजन हेल्थकेयर का सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित हुआ है। भारत दुनियाभर में पहला ऐसा देश है जहां किसी विकासशील देश में डब्ल्यूएचओ का ग्लोबल सेंटर खुला हो। तेजी से बदलती और ज्ञान केंद्रित होती दुनिया में सार्थक शिक्षा के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमें शैक्षिक गतिविधियों को केवल जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखना है बल्कि इसके जरिए बहुआयामी क्षमताओं से सम्पन्न होने और सदगुणी होने पर भी जोर देना है।

अपनी जिम्मेदारी समझें, गौरव गाथा सामने लाएं

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि के दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा और दीक्षा को समझना जरूरी है। जो आदर्श हमारे सामने हैं और हमें सिखाए जा रहे हैं, जरूरी है कि उन्हें हम अपने जीवन में उतारें।

उन्होंने कहा कि मेधावी यह भी सोचें कि उनकी समाज और राष्ट्र के प्रति क्या जिम्मेदारी है। सामाजिक सरोकारों के लिए हम सब क्या कर सकते हैं। मेरठ पौराणिक नगरी है। यहां बड़ा इतिहास छुपा हुआ है। शिक्षक और शोधार्थियों की जिम्मेदारी है कि वह मेरठ की ऐतिहासिक उपलब्धियों को सामने लाने का काम करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने नई शिक्षा नीति देकर उच्च शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव की ओर कदम बढ़ाया है। प्रदेश के विवि एनईपी लागू कर चुके हैं। सीसीएसयू में पीजी स्तर तक एनईपी लागू हो चुकी है। यह विद्यार्थियों को अपनी परंपरा से जुड़ने के मौके दे रही है।

योगेंद्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालयों को अपने क्षेत्र में मॉडल कॉलेजों को क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप स्थापित करने पर जोर दिया।

सीसीएसयू के विधि अध्ययन संस्थान द्वारा राष्ट्रीय विधि सेवा दिवस के उपलक्ष्य में 9 नवंबर को संस्थान से एक नशा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रिसोर्स डाटा में सीसीएसयू का देश में पहला नंबर

मेरठ। इनफ्लिबनेट (इंफोर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क) से जुड़े देशभर के विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह विवि ने पहला नंबर हासिल करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इनफ्लिबनेट के ऑनलाइन कैटालॉगिंग सिस्टम (ओसीएस) से इन 587 विवि में से प्रतिष्ठित 65 विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया।

प्रोजेक्ट में विवि को अपने रिसोर्स डाटा को इनफ्लिबनेट को भेजना (एक्सपोर्ट) था, लेकिन जो डाटा मिले, उसमें चौधरी चरण सिंह विवि अव्वल साबित हुआ। रिसोर्स डाटा से मतलब है, लाइब्रेरी में उपलब्ध पाठ्य सामग्री जिसका प्रयोग विद्यार्थी कहीं से, और किसी भी वक्त कर सकते हैं।

डिप्टी लाइब्रेरी डॉ. जमाल अहमद सिद्दीकी के अनुसार ओसीएस में सभी विवि को प्रतिभाग करना था, लेकिन इस क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले 65 विवि सक्रिय से रूप से जुड़े। बावजूद इसके सीसीएसयू सर्वाधिक रिसोर्स डाटा एक्सपोर्ट करने में देशभर में अव्वल रहा। देश के कई प्रतिष्ठित विवि चौ. चरण सिंह विवि से पीछे हैं।

सीसीएसयू को 2.24 करोड़ रुपये की ग्रांट

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय को 2.24 करोड़ रुपये की ग्रांट मिल गई है। यह ग्रांट डीएसटी–फिस्ट यानी डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के फंड फार इम्प्रूवमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी इन यूनिवर्सिटीज के तहत मिली है।

विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार डीएसटी की ओर से 2.09 करोड़ रुपये विश्वविद्यालय को इसी वर्ष प्रदान भी किए जा चुके हैं। इन ग्रांट से विश्वविद्यालय में ग्लास हाउस व नेट हाउस बनेगा जहां तरह–तरह के प्रयोग हो सकेंगे। इसके अलावा आटोमेटेड जेल्डाल एनलाइजर, मल्टीस्कैन माइक्रोप्लेट स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, आरटी–पीसीआर, केमिडॉक एक्सआरएस प्लस सिस्टम विद ईमेज लैब साफ्टवेयर, लायोफिटिजर, रेफ्रिजरेटेड इन्क्यूबेटर शेकर, टीस्यू लाइजर, प्रोब सोनिकेटर, ग्रीन सीकर, वाटर प्यूरीफिशन सिस्टम और बायोसेफ्टी कैबिनेट ग्लास खरीदे जाएंगे।

प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा के अनुसार विभाग के नाम अब तक 78 पेटेंट हैं। अब इन आधुनिक उपकरणों की मदद से रिसर्च को और आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अन्य विश्वविद्यालयों व कालेजों के साथ भी संयुक्त रूप से शोध कार्य आगे बढ़ा सकेंगे। वर्ष 2022 में किए गए आवेदन को विभिन्न चरणों के बाद मिली स्वीकृति जीव विज्ञान से जुड़े शोध के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

शोध की गुणवत्ता बढ़ेगी

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट के संसाधनों को बढ़ाने के लिए मिली इस ग्रांट से बनने वाली लैब का इस्तेमाल सभी विभाग कर सकेंगे। इसका लाभ हमारे शोध की गुणवत्ता बढ़ाने में मिलेगा। कुलपति ने विभाग के प्रोफेसर एसएस गौरव, प्रोफेसर राहुल कुमार, डॉ. धर्मेंद्र प्रताप, डॉ. विनय पंवार को बधाई दी।

अटल सभागार में डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रो. संजीव शर्मा और प्रो. वीरपाल सिंह के हाथों स्मार्ट फोन पाने के बाद पत्रकारिता विभाग के छात्र।

पत्रकारिता और प्रबंधन के छात्रों को मिले स्मार्ट फोन

परिसर संवाददाता

मेरठ। प्रधानमंत्री ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प पूर्ति में यह फोन सहायक होंगे। आज भारत विकासशील देश की श्रेणी में है। सरकार की योजना तकनीकी दृष्टि से छात्र को सशक्त करने की है। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और इंस्टीटयूट ऑफ बिजनेस स्टडीज के छात्रों को मोबाइल वितरित करते हुए उक्त बात राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कही।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और ना ही सिखाने वाले की कोई जाति। उन्होंने कहा कि जल्द ही कैंपस में अलग लाइब्रेरी बनेगी, जो 24 घंटे खुलेगी।

स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम के बाद राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल का दौरा भी किया।

निदेशक अकादमिक प्रो. संजीव शर्मा ने कहा तकनीक दुधारू तलवार की तरह है, दुरुपयोग की संभावना अधिक रहती है। शोध निदेशक प्रो. वीरपाल सिंह ने कहा कि मोबाइल युवाओं के लिए सीखने का सबसे बड़ा हथियार है। निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने कहा स्मार्ट फोन युवाओं के शैक्षिक बदलाव एवं तरक्की में सहायक होंगे। इस दौरान डॉ. रवि प्रकाश, कपिल कुमार, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. राजकुमार, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. पूजा चौहान, डॉ. स्वाति आदि भी मौजूद रहे।

कैंपस में जल्द शुरू होगा कोचिंग सेंटर

मेरठ। कैंपस में जल्द मेडिकल इंजीनियरिंग को छोड़ अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग सेंटर शुरू होने जा रहा है। यह सेंट्रल लाइब्रेरी के नए ब्लॉक के टॉप फ्लोर पर चलेगा।

केंद्र निर्माण के लिए राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने 50 लाख की राशि दी है। उन्होंने केंद्रीय पुस्तकालय पहुंचकर सेंटर की स्थिति को देखा। डिप्टी लाइब्रेरियन प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी के अनुसार यह सेंटर प्रत्येक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए होगा।

मनोविज्ञान विभाग में मेले का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य मेले के समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा कि जब कोई घटना हमें सोने न दे, छोटी–छोटी बात पर गुस्सा करने को मजबूर करे, हमारे व्यवहार में बदलाव लाए या रोने का मन करे तो ये स्थिति मानसिक स्वास्थ्य खराब होने की पहचान हैं। इसके समाधान के लिए हमें बात करनी चाहिए, क्योंकि बात करने से ही बात बनती है। इसलिए काउंसलर या साइकोलाजिस्ट से बात करने में झिझकना नहीं चाहिए।

कार्यक्रम समन्वयक रीशू शर्मा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य मेले में 200 लोग पहुंचे और करीब 100 लोग काउंसलिंग के लिए तिथि ले चुके हैं। इस दौरान मनोवैज्ञानिकों ने जोखिम लेने का स्तर, व्यक्तित्व, तनाव, खुशी, बुद्धि, दिमाग की कार्य क्षमता आदि का मापन किया। आगंतुकों ने योग व मेडिटेशन सीखा। साथ ही डांस स्टेप्स, खुशबू, क्राफ्ट और रंगों से सकारात्मकता व खुशी का आभास किया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि बुजुर्गों का मानसिक स्वास्थ्य भी इतना ही महत्वपूर्ण है जितना युवा पीढ़ी का है। डा. रुचि त्यागी ने बताया कि इंटरनेट मीडिया के आदी होने के चलते हम अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह, संजना देशवाल, प्रोफेसर अल्पना अग्रवाल मौजूद रहे।

दिमाग के सिग्नल कॉपी करेगी डिवाइस, रोबोट भी सोचेगा

परिसर संवाददाता

मेरठ। सोचिए आपके दिमाग में जो चल रहा है उसे कोई रियल टाइम में कॉपी करते हुए दूसरे डिवाइस में स्टोर कर ले। जैसा आप सोचें वैसा ही रोबोट भी सोचने लगे। अपराधियों के शातिर दिमाग के सिग्नल कॉपी करते हुए उन्हें पढ़ा जा सके। यह सब पढ़ने में भले ही मायावी लगे, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर दुनियाभर में दिन–रात हो रहे शोध के बीच चौधरी चरण सिंह विवि में भौतिक विभाग का रिसर्च पेपर क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है। यह पेपर विश्व के प्रतिष्ठित जर्नल मैटेरियल्स टुडे में प्रकाशित हुआ है।

इस जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर 24.2 है। विवि में यह अब तक का सर्वाधिक इम्पैक्ट फैक्टर जर्नल में प्रकाशित पेपर है। भौतिकी विज्ञान में प्रो. डॉ. संजीव कुमार शर्मा, प्रो. सत्येंद्र पाल सिंह के निर्देशन में शोधार्थी अनिरुद्ध कुमार का यह पेपर दुनियाभर में सराहा जा रहा है।

'जिंक ऑक्साइड बेस्ड हाइब्रिड नैनो कम्पोजिट फॉर हाई परफोर्मेंस रेजिस्टिव स्वीचिंग डिवाइस : वे टू स्मार्ट इलेक्ट्रोनिक सिनेप्सिस' का यह पेपर भविष्य में ऐसी डिवाइस के निर्माण का रास्ता खोलता है जो किसी भी व्यक्ति के मस्तिष्क के सिग्नल को पकड़कर उन्हें कॉपी करते हुए डिवाइस में स्टोर कर सकता है।

क्या कहता है पेपर

प्रो. संजीव कुमार शर्मा के अनुसार अनिरुद्ध कुमार ने मस्तिष्क के न्यूरोन से न्यूरोन सिग्नल ट्रांसमिशन प्रणाली का अध्ययन कर नैनोकंपोजिट आधारित मेमोरी एवं कंप्यूटिंग डिवाइस बनाने की प्रक्रिया को केंद्रित किया है।

यह प्रणाली नई पीढ़ी के कंप्यूटर एवं अन्य इलेक्ट्रानिक सिस्टम का भविष्य होगी जो मानव मस्तिष्क की तरह सिनेप्टिक सिग्नल ट्रांसमिशन करेगी।

तकनीक ने शिक्षा का स्वरूप बदला

परिसर संवाददाता

मेरठ। शिक्षण प्रक्रिया तेजी से बदल रही है। छात्र केंद्रित शिक्षा व्यवस्था में शिक्षण की ऐसी प्रक्रियाओं को आत्मसात करना होगा, जो उन्हें अधिगम को सुगम एवं प्रभावी बनाने में कारगर हों। तकनीक इसमें योगदान दे सकती है। शिक्षक का ज्ञान और तकनीक मिलकर छात्रों को श्रेष्ठ ज्ञान प्रदान कर सकते हैं। सीसीएसयू कैंपस स्थित शिक्षा विभाग में 'ब्लैंडिड लर्निंग अप्रोच इन टीचर एजुकेशन' शीर्षक से हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन में यह बात प्रो. सुरक्षापाल ने कही।

प्रो. राकेश संधू ने कहा कि ऑनलाइन–ऑफलाइन मोड में शिक्षण समय की जरुरत है। छात्र तकनीक के बल पर ही किसी भी स्थान से शिक्षण सामग्री को हासिल कर पा रहे हैं।

प्रो. नंद किशोर ने कहा कि तकनीक ने शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह से बदल दिया है।

प्रो. विजय जायसवाल ने कहा कि शिक्षण में तकनीक छात्रों के अधिगम में सुधार करती है।

प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थाएं और सरकार भी शिक्षण में तकनीक का प्रयोग बढ़ाने पर जोर दे रही है। प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. भावना सिंह, प्रो. गौरव राव,, डॉ. किरण गर्ग, प्रो. सुभाष चंद अग्रवाल मौजूद रहे।

मोनिका बर्नी सलाहकार समिति की सदस्य : सीसीएसयू के विधि अध्ययन संस्थान में सहायक आचार्य मोनिका कालहर को शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सलाहकार समिति में बतौर सदस्य मनोनीत किया गया है। मोनिका कालहर भाजपा महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश की प्रदेश मंत्री है। वह राष्ट्रीय युवा सलाहकार समिति, युवा खेल मंत्रालय, भारत सरकार की भी सदस्य रह चुकी हैं।

शोध के लिए उज्बेकिस्तान जाएंगे सीसीएसयू के विद्यार्थी

सीसीएसयू और उज्बेकिस्तान के इंस्टीट्यूट के बीच हुआ करार

उज्बेकिस्तान के संस्थान के साथ करार के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विदेशी संस्थान के प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय के पदाधिकारी एवं शिक्षक गण।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के लाइफ साइंस (माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और जेनेटिक्स एंड प्लांट्स ब्रीडिंग) के विद्यार्थी पढ़ाई और शोध के लिए उज्बेकिस्तान जाएंगे और उज्बेकिस्तान के शोधार्थी यहां आएंगे। लाइफ साइंस के शोधार्थियों का शोध कार्य दोनों जगह के प्रोफेसरों के संयुक्त निर्देशन में होगा।

सीसीएसयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा और इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑफ उज्बेकिस्तान के निदेशक प्रो. अब्दुलजालिल नरीमानोव एवं डॉ. दिलफुजा जब्बोरोवा इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी, एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑफ उज्बेकिस्तान ने इस संबंध में हुए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए।

डॉ. दिलफूजा जैबरोवा ने एमओयू के दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया। एमओयू के अनुसार सीसीएसयू व उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी पढ़ाई अथवा शोध कार्य के लिए आवागमन कर सकेंगे। प्रोफेसर भी एक–दूसरे के यहां जाकर न सिर्फ सेमिनार करेंगे बल्कि राष्ट्रीय स्तर के शोध संयुक्त रूप से करेंगे।

यह एमओयू पांच वर्ष के लिए है। जिसके अनुसार मुख्य रूप से एमएससी और पीएचडी के विद्यार्थियों का संयुक्त शोध निर्देशन होगा।

इस दौरान राज्यपाल नामित कार्य परिषद सदस्य प्रो. वाई विमला, डॉ. शैलेंद्र जायसवाल, प्रो. आरके सोनी निदेशक इंटरनेशनल कॉरपोरेशन सेल, प्रो. एमके गुप्ता समन्वयक आईक्यूएसी, शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, आचार्य प्रो. शैलेंद्र सिंह गौरव, संकायाध्यक्ष– कृषि, प्रो. जितेन्द्र कुमार विभागाध्यक्ष सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, प्रो. राहुल कुमार विभागाध्यक्ष, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, प्रो. संजीव शर्मा आचार्य, भौतिकी विभाग उपस्थित रहे।

तीन साल तक हुए शोध का परिणाम

अधिक गर्मी से नहीं मुरझाएगा चना

परिसर संवाददाता

मेरठ। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों को खेती करने के लिए कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अब चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से चने की खेती पर किया गया शोध किसानों के लिए मददगार साबित हो सकता है। शोध में प्रोफेसर अशोक कुमार और डॉ. आसमा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के चलते अगर हम चने की बुआई 15 दिन देरी से भी करते हैं तो उसकी पैदावार पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

प्रो. अशोक कुमार

डॉ. आसमा

चने की बुआई नवंबर माह में की जाती है। इसके लिए 24 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान का होना जरूरी है। चने की खेती उत्तर प्रदेश में न के बराबर होती है, लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 75 प्रतिशत तक चने का उत्पादन किया जाता है। गर्मी और तनाव वाले वातावरण में चना जीनोटाइप्स की वृद्धि और सिलको फिजियो केमिकल अध्ययन विषय पर हुआ शोध बढ़ते तापमान के मद्देनजर चने के उत्पादन की संभावना की जांच करता है।

प्रोफेसर अशोक कुमार और उनकी टीम ने शोध के दौरान चने के 100 अलग–अलग जीनोटाइप का चयन किया था, जिसमें देसी 68 और काबुली 32 किस्में शामिल हैं, जो एडवांस्ड ब्रीडिंग लाइंस से संबंधित हैं।

विभिन्न रूपात्मक, शारीरिक, जैव रासायनिक और नाइट्रोजन स्थिरीकरण गुणों पर गर्मी के तनाव के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए सामान्य नवंबर के मौसम और दिसंबर के अंत के मौसम के बीच अंतर करते हुए, इन जीनोटाइप की खेती लगातार तीन वर्षों 2017–2020 में की गई। कठोर क्षेत्र और प्रयोगशाला अध्ययनों के माध्यम से शोध ने चने के कई जीनोटाइप की पहचान की, जिन्होंने गर्मी के तनाव के प्रति उल्लेखनीय सहनशीलता प्रदर्शित की। उत्पादकता और सहनशीलता सूचकांकों का विश्लेषण करने के लिए आधुनिक गणितीय सांख्यिकीय, कंप्यूटेशनल और जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोणों को नियोजित किया गया था, जिससे यह जानकारी मिलती है कि ये जीनोटाइप गर्मी के तनाव की स्थिति में कैसे पनपते हैं। यह शोध न केवल बढ़ते तापमान के सामने चने की फसलों के लचीलेपन पर प्रकाश डालता है, बल्कि बदलती जलवायु के अनुकूल संघर्ष कर रही अन्य फसलों के लिए आशा की किरण भी प्रदान करता है।

सीसीएसयू ने पीएम–उषा के 100 करोड़ के लिए की दावेदारी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) ने पीएम–उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत मिलने वाले 100 करोड़ रुपये के लिए दावेदारी की। इंटरनल क्वालिटी एश्यूरेंस सेल (आईक्यूएसी) के समन्वयक प्रो. मृदुल गुप्ता के नेतृत्व में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के सामने ऑनलाइन कार्ययोजना (नए प्रोजेक्ट, लैब एवं पाठ्यक्रम) पेश की है।

प्रो. मृदुल गुप्ता ने बताया कि जिन राज्यों में एनईपी लागू है, उनके 35 विवि को पीएम–उषा के तहत 100–100 करोड़ रुपये की धनराशि मिलेगी। इसमें 60 फीसदी धनराशि केंद्र और 40 फीसदी राज्य सरकार देगी। एनईपी को बेहतर तरीके से लागू करने और कई नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए यह राशि दी जाएगी। इससे नई बिल्डिंग, गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए अत्याधुनिक लैब, वर्कशॉप और सेमिनार कराने की कार्ययोजना तय की गई है।

क्या है योजना

अक्टूबर 2013 में केंद्र सरकार ने रुसा (आरयूएसए यानी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को रणनीतिक वित्तपोषण करना था। अब इसके स्थान पर पीएम–उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) योजना शुरू हुई है। इसका उद्देश्य विवि को वित्त पोषित करना, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। लाभ उन्हीं को मिलता है जहां एनईपी लागू है।

यह प्रस्तुति देने वालों में प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, प्रोफेसर अनुज कुमार और प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार प्रमुख रहे। प्रोफेसर संजीव और प्रोफेसर अनुज शर्मा ने बताया कि विवि का पूरा फोकस शोध के लिए बेहतर लैब बनाकर अत्याधुनिक उपकरण स्थापित करने पर है। वहीं, नए पाठ्यक्रमों के सुचारु संचालन, सेमिनार और ज्यादा से ज्यादा कार्यशालाएं आयोजित करने पर है।

बस आप शोध करें, मदद विश्वविद्यालय करेगा

मेरठ। शोध करें सीसीएसयू मदद करेगा। यदि शोध करने के लिए बाहर जाना चाहते हैं, तो उसमें भी विवि आर्थिक सहायता देगा। यह बात चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) के जंतु विज्ञान विभाग में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कही। कुलपति ने कहा कि लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शोध करने चाहिए। प्रो. संजीव शर्मा ने कहा विवि इस समय शोध पर विशेष ध्यान दे रहा है। छात्रों को चाहिए कि गुणवत्ता परक शोध करें। चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल सिंह ने कहा कि छात्रों की मदद के लिए विवि अनेक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। प्रो. जयमाला ने कहा कि शोध करने के लिए विवि में बहुत संसाधन हैं जिनका विद्यार्थियों को उपयोग करना चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. बिंदु शर्मा ने स्वागत किया और प्रो. अशोक कुमार चौबे ने धन्यवाद दिया। इस दौरान प्रो. नीलू जैन गुप्ता, डॉ. दुष्यंत चौहान आदि मौजूद रहे।

कैमो सेंसर से पता चलेगा भोजन में मेटल आयन

परिसर संवाददाता

मेरठ। आपके भोजन में कितने मेटल आयन हैं, इसका पता तुरंत चल जाएगा। इसके लिए सीसीएसयू के भौतिक विज्ञान विभाग ने कैमो सेंसर बनाया है। इसका एक साल से चल रहा ट्रायल सफल रहा है। अब किफायती कैमो सेंसर डिवाइस बनाई जा रही है ताकि हर वर्ग के लोगों को लाभ हो।

यह शोध भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो संजीव कुमार शर्मा की देखरेख में कुमारी प्रीति कर रही हैं। प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इन्वर्टर और वाहनों की बैटरी, डिटर्जेंट, कल–कारखानों, फैक्टरी आदि से मैटल आयन (कैडमियम, सल्फाइड, मरकरी, आरसैनिक, कोबार्ट, निकल, कॉपर, क्रोमियम आदि) निकलते हैं। जब इसका प्रवाह होता है, तो कुछ मात्रा में मैटल आयन जमीन में समा जाते हैं और अधिकांश नाले–नालियों के माध्यम से तालाबों, पोखर, नदियों आदि में पहुंचते हैं। नदियों में जब इसकी मात्रा बढ़ जाती है, तो मछलियां तड़फ–तड़फकर मरती हैं। जमीन में समाने वाले मैटल आयन से भूजल के साथ–साथ फसल भी प्रभावित होती है। यानी फसल अथवा पानी के माध्यम से मैटल आयन इंसान के शरीर में पहुंचते हैं, जो कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित करते हैं।

प्रो. संजीव शर्मा

कुमारी प्रीति

प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने बताया लोगों को मैटल आयन से बचाने के लिए करीब एक साल से उनकी लैब में कैमो सेंसर बनाने का शोध चल रहा था, जिसके परीक्षण में अभी तक काफी सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने बताया अब कैमो सेंसर डिवाइस बनाने का काम किया जा रहा है।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक :** प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक :** डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक :** लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम :** बीएजेएमसी तृतीय व पंचम सेमेस्टर और एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राएं।

डॉ. लक्ष्मण नागर को फेलो अवार्ड : कैंपस में माइक्रोबॉयोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मण नागर को इंडियन बॉटेनिकल सोसायटी का फेलो अवार्ड मिला है। संत गागड़े विवि अमरावती एवं इंडियन बोटेनिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 'सिनर्जी इन प्लांट साइंस एंड सस्टेनेबल फ्यूचर 2023' विषय पर हुई अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उक्त अवार्ड दिया गया।

व्यावसायिक कोर्स के लिए निर्देश

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने परिसर व संबंधित कालेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत एक जनपद एक उत्पाद योजना के संबंध में संचालित पाठयक्रम को बढ़ावा देने के लिए मंडल में संचालित सभी कालेजों को घर का फर्नीचर, सिरेमिक उत्पाद, होम फर्निशिंग, खेल उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, रेडीमेड गारमेंट्स के पाठ्क्रम 2023–24 में संचालित करने के लिए दिशा निर्देश जारी किया है। बता दें कि विवि ने रोजगार परक पाठयक्रमों के संचालन के लिए प्रदेश सरकार ने दिशा निर्देशों के अनुसार संबंधित कालेजों में संचालित स्नातक स्तर पर उत्पादों से संबंधित पाठ्यक्रम का रोजगार परक पाठ्य विवरण तैयार कर विवि से अनुमोदन प्राप्त कर लेने की हिदायत दी है। जिसकी जानकारी विवि ने पत्र जारी कर दी है।

स्ट्रीट गुरुकुल के बच्चों संग दिवाली

मेरठ। सीसीएसयू में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के छात्र साहित्यिक सांस्कृतिक क्लब ने स्ट्रीट गुरुकुल के बच्चों के साथ दिवाली उत्सव मनाया। भारत के 12 फीट लंबे मानचित्र के आस–पास बच्चों ने दीपक जलाए। परिषद की प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने रूपरेखा बनाई। मुख्य अतिथि प्रो. वाई विमला रहीं और अध्यक्षता प्रो. मृदुल गुप्ता ने की। इस दौरान डॉ. धर्मेंद्र कुमार, रितेश कुमार, शिवम अग्रवाल, आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

मेरठ। राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस के उपलक्ष्य में 71 बटालियन यूपी एनसीसी एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन लाला लाजपत राय मेडिकल कालेज में किया गया। 71 बटालियन की विभिन्न यूनिट से कैडेट्स ने रक्तदान किया। सीसीएसयू, माछरा पीजी कालेज, डीएन कालेज, एनएएस पीजी कालेज तथा अन्य कालेज के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया।

वायु प्रदूषण रोकने के उपाय बताए

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता विभाग में पर्यावरण क्लब एवं नगर निगम मेरठ ने प्रदूषण पर जागरुकता लाते हुए इसे रोकने के उपाय बताए। सावन कनौजिया ने कहा कि पर्यावरण की बिगड़ी हालत का सबसे बड़ा कारण बढ़ता वायु प्रदूषण है। स्वच्छ भारत मिशन टीम से आशीष ने भी विचार रखे। लव कुमार ने कविता द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। उत्कर्ष, अंशिका, मितेंद्र गुप्ता, पार्थ, रचित सिंह, अमराह, आशीष, अंकुर गौतम, गौरव, चक्षु मौजूद रहे।

छात्र–छात्राओं ने सीखा सांप पकड़ना

मेरठ। वन्य जीव सप्ताह के तहत चौधरी चरण विवि एवं सामाजिक वानिकी प्रभाग मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में सीसीएसयू के जन्तु विज्ञान विभाग में कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विशेषज्ञों ने सांपों को पकड़ने, उनसे बचाव का डेमो किया। मुख्य अतिथि वन संरक्षक गंगा प्रसाद, विशिष्ठ अतिथि डीएफओ राजेश कुमार, एसडीओ अंशु चावला, वाइल्ड लाइफ वार्डन डॉ. सलोनी, प्रोफेसर एके चौबे, डॉ. दुष्यन्त चौहान रहे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बिन्दु शर्मा एवं संचालन एनवायरमेंट क्लब के अध्यक्ष सावन कनौजिया ने किया।

पर्यावरण पर संकट गंभीर समस्या

संगोष्ठी में बोले शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कोठारी

मेरठ। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि बेहतर शिक्षा से ही समस्यायों के समाधान और विकास संभव है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवनशैली को अपनाना होगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण हो सके। देश में हर वर्ष 24 लाख लोग पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के कारण मरते हैं। इस समय विश्व की दो बड़ी समस्याएं हैं। एक आतंकवाद और दूसरी पर्यावरण संकट। हमने पर्यावरण से छेड़छाड़ की है। इसलिए हमें ही समाधान करना होगा।

चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) के अटल सभागार में आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने यह बात कही। इसका विषय रहा– 'सांस्कृतिक मूल्यों में निहित पर्यावरण समाधान : संभावित नवाचार।' डॉ. कोठारी ने कहा कि भोगवादी जीवनशैली ने पर्यावरण को खतरे में डाला है। छोटे–छोटे प्रयोग करके हम पर्यावरण को बचा सकते हैं। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने अध्यक्षता करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया। डॉ. उमेश शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर योजनानुसार कार्य करने की जरूरत है।

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस दौरान कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता, शोध निदेशक प्रो. वीरपाल, प्रो. अनिल कुमार मलिक, प्रो. शिवराज, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. एसएस गौरव, प्रो. आराधना मौजूद रहे।

फलों के निर्धारण में गोचर की अहम भूमिका

सीसीएसयू में आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में वक्ताओं ने रखे विचार

परिसर संवाददाता

मेरठ। कुंडली में भविष्य फल का निर्धारण गोचर में ग्रहों के तालमेल से तय होता है। कुंडली में दशा, अंतर्दशा, प्रत्यंतरदशा में शुभ अशुभ फल गोचर में गृहों की स्थिति पर निर्भर है। शुभ दशाओं में गोचर की शुभता प्राप्त होती है। अशुभ दशाओं में गोचर की अशुभता प्राप्त होती है। यह बात चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) के संस्कृत विभाग में आयोजित ज्योतिष सम्मेलन के व्याख्यान में भारत ज्योतिष विद्यापीठ के प्रतिष्ठापक प्रमुख ज्योतिर्विद भारत ज्ञान भूषण ने कही।

इस दौरान ज्योतिषाचार्यों ने गोचर (ग्रहों की चाल) के सटीक प्रभाव के आकलन पर चर्चा की। ज्योतिर्विद भारत ज्ञान भूषण ने बताया कि बृहस्पति के गोचर द्वारा दशा फल का वर्ष निर्धारित होता है। सूर्य के द्वारा दशा फल का माह निर्धारित होता है। चंद्रमा के द्वारा दशा फल का दिन निर्धारित होता है।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत विभाग समन्वयक प्रो वाचस्पति मिश्र ने ज्योतिष शास्त्री गरिमा मित्तल, नमन भारद्वाज, अशोक भारद्वाज, मानसी मोहन सक्सेना, जितेंद्र शर्मा, सुकुल प्रसाद, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, जितेंद्र प्रसाद शर्मा का स्वागत कर की।

इसके बाद 50 से ज्यादा पंजीकृत कुंडली ज्योतिषियों ने केस स्टडी के रूप में देखी। किसी ने रोजगार में दिक्कत तो किसी ने संतान सुख के बारे में ज्योतिषियों से प्रश्न पूछे।

दोपहर दो बजे गोचर पर आयोजित व्याख्यान में प्रो. सुधाकर त्रिपाठी, गोचर विशेषज्ञ बाल कृष्ण शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र राणा, गाजियाबाद से आए अमित सोनी ने विचार व्यक्त किए।

बाल कृष्ण शर्मा ने लग्न कुंडली एवं चन्द्र कुंडली के आधार पर गोचर का महत्त्व बताया। इस दौरान डॉ. राजबीर, डॉ. संतोष कुमारी, डॉ. नरेंद्र कुमार, तुषार गोयल, डॉ. ओमपाल, डॉ. विजय बहादुर, आयुष गोयल, साहिल तरीका, सुमित, बबलू आदि मौजूद रहे।

प्रो. राजीव वार्ष्णेय को दो अंतरराष्ट्रीय सम्मान

मेरठ। सीसीएसयू के आनरेरी प्रोफेसर और मेरठ के प्रो. राजीव वार्ष्णेय को वैश्विक खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में शोध व योगदान के लिए दो अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले हैं।

जीनोम अनुक्रमण, जीनोमिक्स–सहायता प्राप्त प्रजनन, ट्रांसलेशनल जीनोमिक्स और कृषि में क्षमता निर्माण के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी वैज्ञानिकों में शामिल प्रो. राजीव को सीएसएसए यानी द क्रॉप साइंस सोसायटी आफ अमेरिका ने क्राप साइंस रिसर्च अवार्ड यानी फसल विज्ञान अनुसंधान पुरस्कार–2023 व यूके की क्लेरिवेट एनलिटिक्स ने हाइली साइटेड रिसर्चर यानी अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता सम्मान दिया है।

क्लेरिवेट एनलिटिक्स की तरफ से 10 वर्षों से लगातार ये सम्मान पाने वाले पहले भारतीय विज्ञानी हैं। प्रोफेसर वार्ष्णेय फूड फ्यूचर्स इंस्टीट्यूट में कृषि और खाद्य सुरक्षा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और पश्चिमी आस्ट्रेलियाई कृषि जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के निदेशक हैं। उन्होंने भारत के अंतरराष्ट्रीय अर्ध–शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान में 17 सालों तक सेवाएं दी हैं।

क्वांटम गणना से हल होंगी कठिन समस्याएं

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के भौतिक विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान में आबूधाबी से आए डॉ. प्रमोद कुमार ने फोटोनिक इंटेलिजेंस पर आधारित डिसीजन मेकर से संबंधित जानकारी दी। कहा कि फोटोन के माध्यम से हम जटिल गणनात्मक समस्याओं को हल कर सकते हैं। भविष्य में इसका इस्तेमाल कठिन समस्याओं को हल करने व निर्णय लेने में मददगार होगा।

भौतिक विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान देते डॉ. प्रमोद कुमार।

उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लेजर फोटोन की भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। वैज्ञानिक अटोसेक लेजर प्लस जेनरेटर पर शोध कर रहे हैं। इस शोध से व्यावसायिक स्तर पर डिवाइस बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। फोटोन पर आधारित डिसीजन मेकर भविष्य में साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम गणना, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण शोध के क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

शोध निदेशक प्रोफेसर बीरपाल सिंह ने बताया कि डॉ. प्रमोद ने कोरोना महामारी के दौरान कोविड इंफेक्शन को टेस्ट करने के लिए डिवाइस तैयार किया था। पूरे यूएई में इसी उपकरण से कोरोना टेस्ट हुए।

सीसीएसयू के बीबीए एवं एमबीए (एचए) विभाग में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियो हेतु ओरियंटेशन कार्यक्रम व स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने गीत व नृत्य प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा दिखाई।

प्रतिदिन योग से शुगर रहेगा नियंत्रित

मेरठ। सीसीएसयू के योग विज्ञान विभाग में कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला को सम्मानित किया गया। चीफ प्रॉक्टर एवं शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. दुष्यंत चौहान, इंजीनियर मनीष मिश्रा को भी अंग वस्त्र भेंट किए गए। योगेश त्यागी ने बताया कि योग से शुगर नियंत्रित रहता है। रोज योग करें। शैफाली, मानसी बिश्नोई, हिमांशु आदि ने बताया वह काफी समय से बैक पेन और सर्वाइकल से ग्रसित थे, मगर अब योग से काफी राहत है। इस दौरान विवि के प्रशासनिक अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, डॉ. विवेक त्यागी, अमरपाल आर्य, ईशा पटेल मौजूद रहे।

आरजी और सीसीएसयू में एमओयू

मेरठ। आरजी डिग्री कॉलेज में इतिहास विभाग और चौधरी चरणसिंह विवि के इतिहास विभाग के बीच एमओयू साइन हुआ। इसके तहत छात्र–छात्राओं के लिए शैक्षिक गतिविधियां बढ़ाने का कार्यक्रम किया जाएगा। विद्यार्थियों से ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से प्रो. विग्नेश त्यागी और प्रो. केके शर्मा के साथ प्राचार्य प्रो. निवेदिता कुमारी, इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो. रेनू जैन, प्रो. अपर्णा वत्स, डॉ. अंजली गुप्ता, डॉ. पूनम, डॉ. पूजा राजोरिया मौजूद रहीं।

छात्रों को रोबोट के बारे में बताया

मेरठ। सर छोटू राम अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान ने सीसीएसयू के अटल सभागार में 'रोबोटिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की। इसका शुभारंभ संस्थान निदेशक प्रो. नीरज सिंघल, समन्व्यक डॉ. शिवम गोयल, डॉ. गौरव त्यागी, डॉ. दिव्या शर्मा ने किया। वर्कशॉप के एक्सपर्ट स्पीकर पोजनान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नालॉजी पोलैंड के शोधार्थी इंजी. अर्पित जून ने रोबोट के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि रोबोटिक ऑपरेटिंग सिस्टम (आरओएस) एक ओपन–सोर्स फ्रेमवर्क है, जो शोधकर्ताओं और डेवलपर्स को रोबोटिक्स अनुप्रयोगों के बीच कोड बनाने और पुनः उपयोग करने में मदद करता है। प्रो. नीरज सिंघल ने कहा कि यह वर्कशॉप निश्चित रूप से विद्यार्थियों में रोबोटिक्स के प्रति जिज्ञासा व ज्ञानवर्धन करेगी। ऑर्गनाइजिंग कमेटी के सदस्य इंजी. डीपी सिंह, योगेश, भारत सिंह, अमित पूनिया, विवेक मिश्रा, प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रो. मनोरमा त्रिखा का निधन

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) के अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष रहीं विदुषी प्रो. मनोरमा त्रिखा (83) का बुधवार को नई दिल्ली में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव शर्मा ने बताया प्रो. त्रिखा के प्रयास से अंग्रेजी विभाग को नई पहचान मिली। विश्वविद्यालय में आने से पहले वह आरजी पीजी कॉलेज में प्रोफेसर रहीं। 1983 में वह प्रोफेसर बनीं। कई साल तक विभागाध्यक्ष का प्रभार संभाला और 2003 में सेवानिवृत्त हुईं। मूल रूप से सहारनपुर निवासी प्रो. त्रिखा ने विवाह नहीं किया था। सेवानिवृत होने के बाद से पश्चिम विहार नई दिल्ली में अपने भाई के पास रहने लगीं। उन्होंने अमेरिकन कवि रोबर्ट फ्रास्ट पर पीएचडी की।

संस्कृत बिना भारत की कल्पना नहीं : प्रो. रमेशचंद

सीसीएसयू में व्यास समारोह का हुआ समापन, विजेताओं को किया सम्मानित

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू में धूमधाम से व्यास समारोह का समापन उत्सव हुआ। विजेताओं को शील्ड और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विवि कैथल के कुलपति प्रो. रमेशचंद भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। पुराण तो वेद से भी अधिक प्राचीन हैं। मुख्य अतिथि ने बताया यह स्वयं 1979 के व्यास समारोह की वाद–विवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागों थे और प्रथम रहे।

उन्होंने पुराणों का महत्व बताते हुए कहा कि वैदिक समाज तथा संहिताओं में प्रतिपल जिस देवीतत्त्व का स्मरण जाता है, उस देवी शक्ति का ऋषियों ने देवी भागवत महापुराण में निबंधन किया है। वेदों की माता गायत्री है। सारस्वत अतिथि प्रो विश्वनाथ ने कहा सौभाग्यशाली है कि प्रतिवर्ष व्यास समारोह में सम्मलित होते हैं और ग्रंथों का मंथन करते हैं। श्रीमद्देवीभागवत पुराण की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा इसमें सुष्टि प्रक्रिया, दर्शन, आख्यान तथा सभी कथा विद्यमान हैं।

संस्कृत विभाग समन्वयक प्रो. वाचस्पति मिश्र ने व्यास समारोह के विषय में बताया। प्रणेता प्रो. सुधाकराचार्य त्रिपाठी ने व्यास समारोह की प्रशंसा की। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने शुभकामनाएं दी।

प्रो. पूनम लखन पाल रघुनाथ गर्ल्स पीजी कालेज ने छंद नाद किया। संचालन डॉ. सन्तोष कुमारी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पूनम लखनपाल, डॉ. सन्तोष कुमारी, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. राजवीर आर्य, डॉ. विजय बहादुर, डॉ. ओमपाल सिंह, सुपार गोवल, साहिल तरीका, बचलू आदि का सहयोग रहा।

व्यास समारोह के तहत छठे दिन विदुर कुटी बिजनौर तक पौराणिक यात्रा निकाली गई। समारोह के पांचवे दिन अंतर विश्वविद्यालय संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता, शोध संगोष्ठी, कथा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

व्यास समारोह में योग क्रियाओं का प्रदर्शन करते छात्र–छात्राएं।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीसीएसयू के अंकित चौधरी ने प्राप्त किया। इस दौरान योग की अनेक क्रियाओं का प्रदर्शन भी किया गया। समारोह के तीसरे दिन डॉ. राजवीर आर्य के निर्देशन में छात्रों ने विभिन्न योग आसनों के दौरान सीने पर हथौड़ा चलाकर पत्थर तोडने, गले से लोहे का सरिया मोड़ने जैसे कारनामे करके दिखाए। व्यास समारोह का शुभारंभ शोभायात्रा से हुआ जो सूरजकुंड स्थित बाबा मनोहर नाथ मंदिर से शुरू हो कर विश्वविद्यालय में समाप्त हुई। समारोह में इस वर्ष श्रीमद्देवीभागत महापुराण पर विशेष मंथन हुआ।

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की पाठ्य सामग्री लेखकों की कार्यशाला में बोलते प्रोफेसर संजीव शर्मा।

सभी छात्रों को ध्यान में रखकर बनाएं दूरस्थ शिक्षा पाठ्य सामग्री

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय ने पाठ्य सामग्री लेखकों की कार्यशाला आयोजित की। विषय विशेषज्ञ के रूप में पहुंचे इग्नू नई दिल्ली के प्रो. जयदीप शर्मा ने कहा कि क्लास रूम शिक्षा में समस्या का समाधान तत्क्षण हो जाता है, जबकि दूरस्थ शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है।

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध वायवीय ढंग से होता है। इसलिए सामग्री लेखन नैतिकता, शिक्षण प्रविधि व शिक्षण अधिगम पर बल दिया जाना जरूरी है। जब हम दूरस्थ शिक्षा के लिए सामग्री तैयार करते हैं तो हमारा दृष्टिकोण वैश्विक होना चाहिए। यह अनिवार्य है कि सामग्री लिखने वाला सबसे तेजस्वी विद्यार्थी के साथ ही सबसे कमजोर विद्यार्थी को भी ध्यान में रखकर लिखे। प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि पाठ लेखन में सबसे पहले उद्देश्य और प्रस्तावना पर काम होना चाहिए। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व प्रति कुलपति जेके पुंडीर ने विचार रखे।

जीव–जंतुओं के बजाय बैक्टीरिया पर रिसर्च शुरू

विष विभाग ने घातक रसायनों के असर पर शोध के लिए सिल्वर नैनोपार्टिकल पर पैदा किए बैक्टीरिया

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के विष (टॉक्सीकॉलोजी) विभाग ने रसायनों के प्रभाव का पता करने के लिए सूक्ष्मजीवी (बैक्टीरिया), कैंसर व स्वस्थ कोशिकाओं पर शोध शुरू कर दिया है। सूक्ष्मजीवी को भी लैब में सिल्वर नैनोपार्टिकल पर ग्रीन सिंथेसिस करके पैदा किया जा रहा है। जूलोजी तथा टॉक्सीकॉलोजी विभाग में रसायनों, मौसम आदि के प्रभाव पर शोध जीव–जंतुओं पर होती है। रसायनों व मौसम का इंसान पर पड़ने वाले असर का सही आकलन करने के लिए खासतौर से चूहा व गिनीपिग पर रिसर्च होती है।

> **विष** विभाग ने सूक्ष्मजीवी पर शोध शुरू कर दिया है। लैब में ही सूक्ष्मजीवी को पैदा किया जा रहा है। जीव–जंतुओं पर शोध के लिए एमओईएफ से स्वीकृति लेनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। सूक्ष्मजीवी पर शोध का जल्द परिणाम भी आता है।
> **प्रो. यशवेद्र वर्मा, विष विभाग सीसीएसयू**

इसकी वजह चूहा व गिनीपिग की फिजियोलॉजी (शारीरिक संरचना) इंसान के समान होना है। चूंकि शोध के समय जीव जंतुओं को आधार बनाया जाता है, इसलिए यह क्रूरता मानी जाती है। दूसरी तरह नित नये शोध करना भी जरूरी होता जा रहा है। एमओईएफ की सख्ती के चलते शोध के लिए गिने–चुने चूहा, गिनीपिग आदि इस्तेमाल करने की अनुमति मिलती है। ऐसे में विष विभाग ने शोध के लिए सूक्ष्मजीवी को विकल्प बना लिया है और शोध भी शुरू कर दी है जिसका विषय 'इफैक्ट ऑफ टॉक्सीकैंट ऑन वाल्यूमिनिसेट' है। साथ ही खेती, कारखानों, फैक्टरी आदि में इस्तेमाल होने वाले घातक रसायनों, हवा, मिट्टी व पानी में मिलने वाले घातक पदार्थो के प्रभाव का असर पता करने के लिए इंसान की कैंसर और स्वस्थ कोशिकाओं पर शोध शुरू होने जा रहा है।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित सर छोटू राम अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान के प्रांगण में 16 अक्टूबर को नवरात्रि के अवसर पर गरबा इवनिंग का आयोजन किया गया।

प्रतिभा 'चिज्जी' और 'अलार्म घड़ी' सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी की ओर से आयोजित हुआ नवांकुर फिल्म फेस्टिवल

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी की ओर से अटल सभागार में नवांकुर 2023 लघु फिल्म फेस्टिवल आयोजित हुआ। फेस्टिवल में पांच मिनट कैटेगरी में सहारनपुर की फिल्म 'चिज्जी' और 15 मिनट कैटेगरी में मेरठ की फिल्म 'अलार्म घड़ी' को प्रथम पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश फिल्म विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष तरुण राठी ने कहा कि नवांकुर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को ओटीटी प्लेटफार्म अमेजन प्राइम पर प्रसारित करवाएंगे। मेरठ के बहुत से कलाकार व फिल्म निर्देशक मुंबई में काम करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में बन रही सबसे बड़ी फिल्म सिटी में कलाकारों को प्रतिभा दिखाने का पूरा मौका मिलेगा। मेरठ के युवाओं की प्रतिभा के हिसाब से यहां मुंबई के पृथ्वी थिएटर जैसे थिएटर की जरूरत है। साझीदार मिले तो वह ऐसा थियेटर बनाएंगे।

कार्यक्रम में दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कला को जोड़ा गया है और विद्यार्थियों को इसके क्रेडिट भी मिलेंगे। फिल्म निर्माण में कहानी बहुत अधिक महत्वपूर्ण होती है। ओटीटी पर आ रही वेब सीरीज हमें आसपास की भारतीय कहानी दिखाती हैं और उन्हें प्रमुखता मिलने लगी है, जो बड़ी फिल्मों में नहीं मिलती है। फिल्म के कंटेंट और इंटेंट की बारीकियों को समझाने के लिए कुछ फिल्मों के उदाहरण दिए जिनमें विषय कुछ और था, दिखाया कुछ और गया तथा संदेश कुछ और गया। कहा कि देश में फिल्म संस्कृति बननी चाहिए और यह बनती है तो राष्ट्र निर्माण में योगदान भी करेगी।

विशिष्ट अतिथि पदम सिंह ने कहा कि देशभक्ति फिल्मों को प्रायोजित तरीके से दूर करने का प्रयास किया गया। अश्लीलता बढ़ाई गई और सनातन परंपरा का मटियामेट किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संजीव शर्मा ने महोत्सव में आए लोगों को बधाई दी। फेस्टिवल में उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों व शहरों से आई 131 लघु फिल्मों में से 10 फिल्मों को पुरस्कृत किया गया है। पांच मिनट व 15 मिनट के दोनों वर्ग में दो–दो फिल्मों को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार मिले। तीन–तीन फिल्मों को सांत्वना पुरस्कार मिला।

समापन समारोह में तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक डा. प्रशांत कुमार ने पुरस्कृत फिल्म निर्माताओं को बधाई दी। विभाग के वरिष्ठ शिक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। चलचित्र समिति के सचिव अम्बरीश पाठक, आरएसएस के प्रांत प्रचार प्रमुख सुरेंद्र, डा. नीरज सिंघल, अरुण जिंदल, लोग गायिका नीता गुप्ता, सुमंत डोगरा, डा. दिशा दिनेश, विशाल शर्मा, फोटो जर्नलिस्ट ज्ञान दीक्षित व अन्य मौजूद रहे। वहीं, अभिनेत्री गरिमा अग्रवाल ने मास्टर क्लास में विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए।

कार्यक्रम के पहले दिन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, कार्यपरिषद सदस्य प्रोफेसर हरिभाऊ खांडेकर ने फिल्मोत्सव का उद्घाटन किया। पहले दिन दो सत्रों में सभी फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

नवांकुर लघु फिल्मोत्सव में बोलते विशिष्ट अतिथि पदम सिंह, कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और कार्यपरिषद सदस्य प्रोफेसर हरिभाऊ खांडेकर (बाएं से दाएं)। अतिथियों से पुरस्कार प्राप्त करते (नीचे) विजेता फिल्मों के निर्माता और कलाकार।

इन फिल्मों को मिला पुरस्कार

पांच मिनट की कैटेगरी

प्रथम : • चिज्जी, नितिन कुमार, सहारनपुर **द्वितीय**: • आई लव माई सिटी, पूजा शर्मा, मेरठ **सांत्वना पुरस्कार** • वृंदावन • महात्मा विदुर • थैंक यू बेटा

15 मिनट की कैटेगरी

प्रथम : • अलार्म घड़ी, शुभम शर्मा, मेरठ **द्वितीय** : • द लास्ट काल, मेरठ **सांत्वना पुरस्कार** • डेड : द अनकंवेंशनल लाइफ • फोमो, अतुल शर्मा • तुम ही हो बंधु सखा तुम्हीं हो।

प्लास्टिक नहीं, इसके इस्तेमाल का तरीका बुरा

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में दो दिनी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी अर्थशास्त्र विभाग और सोसायटी फार पाथवेज टू सस्टेनेबिलिटी की ओर से आयोजित हुई। संगोष्ठी में 'आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर बोलते हुए प्रोफेसर विनोद शर्मा ने कहा कि प्लास्टिक बुरा नहीं है। इसके इस्तेमाल का तरीका बुरा है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक बेहद किफायती है और लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है। संस्था के अध्यक्ष प्रोफेसर टीके कुंडू ने विश्व में बढ़ती आर्थिक असमानता के प्रभाव को सामाजिक और भौतिक पर्यावरण के लिए चुनौती बताया। दिल्ली स्कूल आफ इकोनोमिक्स के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार ने आर्थिक वृद्धि और पर्यावरण की स्वतंत्रता पर औद्योगिक नीति के प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि गरीबी हटानी है और पर्यावरण भी बचाना है।

विशिष्ट वक्ता सीसीएसयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने पर्यावरण सरंक्षण के लिए सरकार के साथ ही एनजीओ व जनभागीदारी की उपयोगिता बताई। मुख्य अतिथि कोपन हेगन बिजनेस स्कूल आफ डेनमार्क की प्रोफेसर आराधना अग्रवाल ने नार्डिक क्षेत्र में विश्व के सबसे उत्तम पर्यावरण संरक्षण के समाधानों का उदाहरण देते हुए वैश्विक स्तर पर ऐसी ही पहल की जरूरत बताई।

कार्यक्रम अध्यक्ष सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी ही एकमात्र जीवन उपयोगी ग्रह है। इसे संरक्षित करना होगा। प्लेनेटरी सत्र व टेक्निकल सत्र के दौरान प्रोफेसर लखविंदर सिंह, प्रोफेसर एसपी सिंह, प्रोफेसर भागीरथ पांडा ने विषय पर बारीकी से प्रकाश डाला।

मास्टर क्लास फिल्मों की बारीकियों से रूबरू हुए युवा

अभिनेत्री गरिमा अग्रवाल और स्क्रिप्ट राइटर संध्या सक्सेना ने दिए सवालों के जवाब

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह सभागार में दो दिवसीय फिल्म महोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में सुप्रसिद्ध अभिनेत्री गरिमा अग्रवाल पहुंची। इसके अलावा मुंबई की सुप्रसिद्ध स्क्रिप्ट राइटर संध्या सक्सेना पहुंची। उन्होंने लघु फिल्म निर्माताओं व पत्रकारिता की पढ़ाई कर रहे छात्रों से अपना अनुभव साझा किया और फिल्मों की बारीकियों से रूबरू कराया। साथ ही छात्रों के सवालों का जबाव दिया।

सुप्रसिद्ध अभिनेत्री गरिमा अग्रवाल ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कैरेक्टर में अपने आप को रखकर सोचना पड़ता है। अच्छे किरदार को जीना पड़ता है। तभी दिल और दिमाग से उसी किरदार को सही साबित कर पाएंगे। शूटिंग के दौरान स्क्रिप्ट और एडिटर का महत्वपूर्ण रोल होता है।

उन्होंने कहा कि हमारा नेचर है कि हम नेगेटिव चीजों को देखने लगते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में आपको सफल होना है, तो नकारात्मक चीजों को छोड़ना पड़ेगा।

गरिमा अग्रवाल ने छात्रों के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि मुझे स्टार नहीं बनना। मुझे अपनी कला से प्रेम है। काम आपको आपकी स्केल के हिसाब से मिलेगा और हमेशा ध्यान रखना की हमें बेसिक से चलना है।

गरिमा अग्रवाल ने कहा की थिएटर आपको बहुत कुछ देता है। सीधे मुंबई जाने से एक्टर नहीं बन सकते हैं। लेकिन, आपके अंदर कॉन्फिडेंस होना चाहिए। आपकी प्रेजेंटेशन कैसी है और आपका अनुभव कैसा है। यह उस पर निर्भर करता है। बॉलीवुड इंडस्ट्री में नकारात्मक और सकारात्मक दोनों पहलू है। फिल्म से व्यक्ति अपने को कनेक्ट कर लेता है।

स्क्रिप्ट राइटर संध्या सक्सेना ने छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि लड़कियां होने के कारण बहुत सारी बातें दब जाती हैं। अपने चारों तरफ का माहौल आपको प्रेरणा देता है। राइटर बनने के लिए पढ़ना जरूरी है, बिना पढे आप लिख नहीं सकते। इस लिए हमें अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। हमें अपनी भाषा से प्रेम होना चाहिए। क्योंकि हमारी भाषा हमारी पहचान है।